- 5 मध्य कारपोरेट ऋण संचालन इकाइयाँ वर्ष के दौरान मध्य कारपोरेट समूह के नियंत्रणाधीन लाई गईं। ये इकाइयाँ मुख्यतया शाखेतर केंद्रों पर मध्य कारपोरेट ग्राहकों को केंद्रीकृत प्रक्रिया संबंधी कार्य, सेवा और प्रलेखन सुविधाएँ उपलब्ध कराती हैं।

नए उत्पाद

- आयात आढ़त एक नया उत्पाद है जो एसबीआई फैक्टर्स एंड कॉमर्शियल सर्विसेज लि. के. सहयोग से शुरू किया गया।

ग.1 स्वर्ण बैंकिंग

- बैंक ने बड़े पैमाने पर बुलियन व्यवसाय शुरू करने के लिए अनेक पहल की हैं।
- स्वर्ण सिक्कों की खुदरा बिक्री करने वाली शाखाओं की संख्या वर्ष 2008 में 250 थी जो बढ़कर वर्ष 2009 में 518 हो गई। इस योजना को वर्ष 2009-10 में देश के सभी महत्वपूर्ण केंद्रों में लागू कर दिया जाएगा। इसी के साथ स्वर्ण सिक्कों की बिक्री करने वाली शाखाओं की संख्या लगभग 1100 हो जाएगी। बैंक कारपोरेट ग्राहकों को उनकी आवश्यकता के अनुसार स्वर्ण सिक्कों की आपूर्ति भी करता हैं।
- बैंक द्वारा जौहरियों को धातु ऋणों में निवेश करने के लिए घरेलू बाजार से स्वर्ण जुटाने के लिए 50 शाखाओ में स्वर्ण जमा योजना फिर से शुरू की गई।
- बैंक मुंबई में एक अलग बुलियन शाखा स्थापित करने जा रहा है जिससे बुलियन व्यवसाय पर ध्यान केंद्रित किया जा सके।

घ. राष्ट्रीय बैंकिंग समूह (एनबीजी)

- बैंक के राष्ट्रीय बैंकिंग समूह (एनबीजी) में तीन व्यवसाय समूह आते हैं। ये हैं वैयक्तिक बैंकिंग, लघु एवं मध्यम उद्यम (एसएमई) और सरकारी बैंकिंग तथा यह 31.03.2009 को कुल देशीय ऋण में 34.41% और कुल देशीय जमाराशियों में (अंतर बैंक जमाराशियों को छोड़कर) 59.21% हिस्सा संभालता है।
- वर्ष के दौरान असम में सोनपुर (कामरूप जिला) में 11,111वीं शाखा खोलकर बैंक ने एक और मील का पत्थर पार किया। इस शाखा का उद्घाटन जनवरी 09 में माननीय गृहमंत्री श्री पी. चिदंबरम द्वारा किया गया।
- वर्ष के दौरान, स्टेट बैंक ऑफ सौराष्ट्र का विलय हो जाने के कारण 461 शाखाओं के जुड़ जाने के अलावा, राष्ट्रीय बैंकिंग समूह और ग्रामीण बैंकिंग समूह के अंतर्गत 807 नई देशीय शाखाएं खोली गईं और मार्च 2009 के अंत में बैंक के पास 11,448 देशीय शाखाओं का एक व्यापक नेटवर्क था।

तालिका : 5 राष्ट्रीय बैंकिंग समूह - उल्लेखनीय तथ्य

(राशि करोड़ रुपये में)

विवरण	31.03.2008 को	31.03.2009 को	वृद्धि का %
जमाराशियाँ (अंतर बैंक को छोड़कर)	2,99,644	4,12,329	37.61
अग्रिम (खाद्य और अंतर बैंक को छोड़कर)	1,32,545	1,53,814	16.05

घ.1 वैयक्तिक बैंकिंग व्यवसाय इकाई (पीबीबीयू)

वैयक्तिक बैंकिंग व्यवसाय इकाई (पीबीबीयू) का 31.03.09 को बैंक के कुल देशीय खंडवार अग्रिमों में लगभग 23.66% और देशीय जमाराशियों में 51.44% का अंशदान था। समूह देशभर में फैली अपनी 11,448 शाखाओं के माध्यम से अपने इस कारोबार का संचालन करता है।

वर्ष 2008-09 के दौरान पीबीबीयू का निष्पादन निम्नलिखित तालिका में दिया गया है :

(राशि करोड़ रुपये में)

विवरण	31.03.08 को	31.03.09 को	वृद्धि का %
जमाराशियाँ	2,43,814	3,39,326	39.17
अग्रिम	90,473	1,06,954	18.22

- दिनांक 31/03/2009 को व्यक्तिगत आवास ऋण संवितरणों के अनुसार इस वर्ष अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) और आवास वित्त कंपनियों (एचएफसी) के बीच भारतीय स्टेट बैंक एक बार फिर से एक अग्रणी के रूप में उभरकर सामने आया है.
- वर्ष के दौरान भारतीय स्टेट बैंक ने भारत सरकार द्वारा घोषित प्रोत्साहनों को देखते हुए तीन नए उत्पाद - अर्थात, एसबीआई विशेष गृह ऋण, एसबीआई हैपी होम ऋण और एसबीआई लाइफ स्टाइल प्रारंभ किए। इन पहलों से आवास ऋण खंड में कम लागत वाले और सामर्थ्य भीतर ऋणों की उपलब्धता बढ़ाने में मदद मिली जिससे नए आवास ऋणों में ग्राहकों की रुचि बढ़ी। एसबीआई ग्रीन होम शुरू करके भवन निर्माताओं को पर्यावरण अनुकूल आवास परियोजनाएँ लाने के लिए प्रोत्साहित करने का प्रयास किया गया।
- भारतीय स्टेट बैंक शिक्षा ऋणों में बाजार में सबसे आगे है और सरकारी क्षेत्र के बैंकों में अपना 24 प्रतिशत बाजार अंश बनाए हुए है। वर्ष के दौरान शिक्षा ऋणों में रु. 2,203.33 करोड़ की वृद्धि हुई। आइआइएम/आइआइटी/एआइआइएमएस/प्रबंधन संस्थानों आदि जैसे 59 विशिष्ट संस्थानों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए रियायती ब्याज दरों और शर्तों पर एसबीआइ स्कॉलर ऋण सीमा को विस्तारित किया गया है। ऋण सीमा बढ़ाकर रु. 15 लाख कर दी गई है।

- 5 Mid-Corporate Loan Administration Units, which provide centralized processing, servicing & documentation facilities to MCG customers, mainly at Off-site Centres, were brought under MCG's control during the year.

New Products

- Import factoring, a new product, was launched in association with SBI Factors & Commercial Services Ltd.

C.1 Gold Banking

- The Bank has taken several initiatives to undertake bullion business in a big way.
- The number of branches for retail sale of gold coins has increased from 250 in 2008 to 518 in 2009. The Scheme will be extended to cover all important centres of the country in 2009-10 by increasing the number of branches selling gold coins to about 1100. The Bank also undertakes supply of customised gold coins to corporates.
- The Bank has re-launched Gold Deposit Scheme at 50 branches to mobilise gold from domestic market for deployment as metal loans to jewellers.
- The Bank is in the process of setting up a dedicated Bullion branch at Mumbai to undertake bullion business in a focussed manner.

D. NATIONAL BANKING GROUP (NBG)

- National Banking Group consists of three Business Groups viz., Personal Banking, Small & Medium Enterprise (SME), and Government Banking and handles 34.41% of the total domestic credit and 59.21% of the total domestic deposit business (excluding inter bank deposits) of the Bank as on 31.03.2009.
- During the year, the Bank achieved another milestone by opening its 11,111th Branch at Sonapur (Kamrup District) in Assam, which was inaugurated in Jan 09 by the Hon. Home Minister Shri P. Chidambaram.
- During the year, apart from an addition of 461 branches on account of SBS merger, 807 new domestic branches were also opened (under NBG and RBG), and the Bank had a vast network of 11,448 domestic branches at the end of March 2009.

Table : 5 NBG – Highlights

(Amount in Rs. crores)

Particulars	As on 31.03.2008	As on 31.03.2009	growth %
Deposits (excluding inter bank)	2,99,644	4,12,329	37.61
Advances (excluding food and inter bank)	1,32,545	1,53,814	16.05

D.1 Personal Banking Business Unit (PBBU)

PBBU handles about 23.66 % of the total domestic segmental advances and 51.44% of the total domestic deposits of the Bank as on 31.03.09 through 11,448 branches spread throughout India.

Performance of PBBU during 2008-09 is given in the following table :

(Amount in Rs. crores)

Particulars	As on 31.03.2008	As on 31.03.2009	growth %
Deposits	2,43,814	3,39,326	39.17
Advances	90,473	1,06,954	18.22

- SBI once again emerged as a leader among Scheduled Commercial Banks (SCBs) and Housing Finance Companies (HFCs) this year in terms of Individual Home Loans disbursements as on 31.03.2009.
- During the year, SBI introduced three new products viz., SBI Special Home Loan, SBI Happy Home Loan and SBI Lifestyle in response to the stimulus package announced by the Government of India. These initiatives have resulted in stimulating supply in low cost and affordable housing segment, which in turn has rejuvenated customers' interest in new housing. SBI Green Home has been introduced to encourage developers to come out with environment friendly residential projects.
- SBI is the market leader in Education Loans and maintaining its market share of 24% amongst PSU banks. The growth in Education Loans during the year is Rs. 2,203.33 crores. SBI Scholar Loan limit is extended to students joining 59 elite institutions like IIMs / IITs/ AIIMS / Management Institutions etc. at concessional interest rates and terms. The limit for the loans has been increased to Rs.15 lacs.

- भारतीय स्टेट बैंक अक्तूबर 2008 से 13% से अधिक अंश के साथ मारुति और हुंडई कारों का सबसे बड़ा वित्तपोषक बन गया है।
- एजी नीलसन एण्ड कंपनी के सहयोग से सीएनबीसी टीवी18 द्वारा कराए गए एक सर्वेक्षण में सीएनबीसी आवाज उपभोक्ता पुरस्कारों में बैंक को लगातार तीसरे वर्ष ''अत्यधिक पसंदीदा आवास ऋण'' तथा 'अत्यधिक पसंदीदा बैंक' घोषित किया गया।
- बैंक को आउटलुक मनी द्वारा भी वर्ष 2008 के लिए 'सर्वोत्कृष्ट गृह ऋणप्रदाता' और 'सर्वश्रेष्ठ बैंक' चुना गया है।
- वर्ष के दौरान, बैंक ने टाटा की 'नैनो' कारों का बुकिंग कार्य संभालने के लिए टाटा मोटर्स के साथ एक विशिष्ट करार किया।
- भारतीय स्टेट बैंक ने अपनी वेबसाइट पर वाहन ऋण के संबंध में पूछे जाने वाले प्रश्नों का पंजीकरण कराने के लिए और उन पर शीघ्रता से अनुवर्ती कार्रवाई करने तथा उन्हें वाहन ऋणों के रूप में परिवर्तित करने के लिए ऑन लाइन आवेदन फार्म की शुरुआत की है।
- 1000 दिनों के लिए जमाराशियां संगृहीत करने के लिए एसबीआइ-1000 के नाम से एक विशेष जमा उत्पाद शुरू किया गया जिसे भारी सफलता प्राप्त हुई और इससे लगभग रु. 40,000 करोड़ संगृहीत हुए।
- वर्ष के दौरान बैंक ने इक्विटी अभिदानों, आइपीओ और राइट शेयरों के लिए आवेदन करने में निवेशकों की सहायता हेतु एएसबीए (ब्लाक्ड खाते की सहायता से आवेदन करने) के लिए 'ई-इन्वेस्ट' योजना शुरू की है।
- वर्ष के दौरान बैंक ने 174 लाख से अधिक नए बचत बैंक खाते खोले जबकि पिछले वर्ष 78 लाख खाते खोले गए थे।

घ.2 एसएमई व्यवसाय इकाई (एसएमईबीयू)

- बैंक एसएमई क्षेत्र के एक ऋणदाता के रूप में सबसे आगे बना हुआ है। एसएमई क्षेत्र से व्यवसाय जुटाने के लिए बैंक बहुविध-कार्यनीतियां कार्यान्वित कर रहा है। उन्हें अनेक प्रकार के उत्पाद एवं सेवाएं मुहैया करा रहा है। एसएमई को दिए गए अग्रिम बैंक के कुल देशीय अग्रिमों का 20.66 प्रतिशत हैं। एसएमई के अंतर्गत बैंक का व्यवसाय निष्पादन निम्नानुसार है:

(राशि करोड़ रुपए में)

विवरण	31.03.08 को	31.03.09 को	वृद्धि का %
जमाराशियां	1,67,426	2,20,468	33.48
अग्रिम	79,717	95,893	20.29

वर्ष के दौरान उपलब्धियां/नए प्रयास

- अर्थव्यवस्था के धीमी होने पर, भारतीय स्टेट बैंक में एसएमई बैंकिंग के लिए अनेक राहतें एवं रियायतें दी गईं। एसएमई इकाइयों की तुरंत निधि की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए दो नई योजनाएं, अर्थात एसएमइ केयर और एसएमई हेल्प शुरू की गई हैं। इन योजनाओं के अंतर्गत, उदारीकृत शर्तों एवं 8 प्रतिशत वार्षिक रियायती ब्याज दर पर वित्त संस्वीकृत किया जा रहा है।
- उद्योग के बड़े विक्रेताओं से लेकर और उनके डीलरों तक सभी को वित्त प्रदान करने के लिए वर्ष के दौरान एक केन्द्रीकृत इकाई ने कार्य करना शुरू कर दिया है।
- ट्रेडर्स इजी लोन, एसएमई स्मार्ट स्कोर और एसएमई क्रेडिट कार्ड योजनाओं हेतु एसबीआइ वेबसाइट के माध्यम से ऋण आवेदनों का वेब आधारित पंजीकरण शुरू किया गया।
- मुंबई में एक विशेष कैपिटल मार्केट शाखा खोली गई जिसने पावर एक्सचेंज, करेंसी एक्सचेंज जैसे विभिन्न एक्सचेंजों के लिए समाशोधन एवं समाधान का कार्य करना शुरू कर दिया है।
- बैंक ने भारतीय बैंकिंग संहिता और मानक बोर्ड (बीसीएसबीआइ) के अंतर्गत व्यष्टि एवं लघु उद्यम ग्राहकों के लिए बैंक प्रतिबद्धता संहिता को अपना लिया है।
- बैंक ने देश भर में सभी स्थानीय प्रधान कार्यालयों में क्षेत्रीय एमएसएमई केयर केन्द्र स्थापित किए हैं जिससे एमएसएमई ग्राहकों की शिकायतों का मण्डल के नेटवर्क स्तर पर शीघ्र निवारण किया जा सके।
- वित्तीय वर्ष 2007-08 के लिए भारत सरकार के व्यष्टि, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय ने बैंक को निम्नलिखित राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए हैं:
  - (i) 'व्यष्टि उद्यमों के ऋणान्वयन में उत्कृष्टता हेतु राष्ट्रीय पुरस्कारों' के अंतर्गत प्रथम पुरस्कार।
  - (ii) 'एमएसई के ऋणान्वयन में उत्कृष्टता हेतु राष्ट्रीय पुरस्कारों' के अंतर्गत द्वितीय पुरस्कार।
  - (iii) डून एण्ड ब्राडस्ट्रीट द्वारा एसएमई को वित्त प्रदान करने के क्षेत्र में सर्वोत्कृष्ट निष्पादन के लिए भी बैंक को एक पुरस्कार प्रदान किया गया है।
- उद्योग से जुड़ी समस्याओं, श्रेष्ठ प्रथाओं आदि पर चर्चा करके उभरते हुए एसएमई उद्यमों को सशक्त बनाने के लिए, बैंक ने ज़ी बिजनेस चैनल पर 13 अंक प्रायोजित किए हैं।

- SBI became the largest financier of Maruti and Hyundai cars with penetration of more than 13% since October 2008.
- The Bank was voted, for the third year in a row, as the "Most Preferred Housing Loan" and "Most Preferred Bank" in the CNBC AWAAZ Consumer Awards in a survey conducted by CNBC TV18 in association with AG Nielsen & Company.
- The Bank was also awarded the "Best Home Loan Provider" as well as "The Best Bank" by Outlook Money Awards, 2008.
- During the year, the Bank also entered into an exclusive arrangement with TATA Motors for handling the booking process of TATA "Nano" cars.
- SBI has launched on its web-site an on-line application form for registering Auto Loan enquiries and expeditiously monitoring and converting these leads into Auto Loans.
- A special deposit product namely SBI-1000 was introduced to mop up deposits for 1000 days which was a huge success and resulted in mopping up around Rs.40,000 crores.
- During the year, the Bank also launched "e-invest" for the ASBA (applications supported by blocked accounts) to aid investors for their equity subscriptions, IPO and Rights applications.
- The Bank opened over 174 lacs of new Savings Bank accounts during the year as against 78 lacs in the previous year.

D.2 SME Business Unit (SMEBU)

The Bank continues to retain its premier position as a lender to the SME sector. The Bank has been implementing multiple strategies to attract business from the SME segment offering them a slew of products and services. Advances to SMEs constitute 20.66% of Bank's total domestic advances. The business performance of the Bank under SME is as under:

(Amount in Rs. crores)

Particulars	As on 31.03.2008	As on 31.03.2009	Growth %
Deposits	1,67,426	2,20,468	33.48
Advances	79,717	95,893	20.29

Achievements/Initiatives during the year

- With the downturn in the economy, a slew of reliefs and concessions have been offered to SMEs banking with SBI. Two new schemes viz. SME CARE and SME Help were launched to meet the urgent fund requirements of SME units. Under these schemes, finance is being sanctioned on liberalised terms and at a concessional rate of interest of 8% p.a.
- A Centralised Unit for Supply Chain Finance was operationalised during the year to finance vendors of industry majors and their dealers.
- Web based registration of loan applications through SBI website was launched for Traders Easy Loan, SME Smart Score and SME Credit Card Schemes.
- A Special Capital Market Branch was opened at Mumbai which has started clearing and settlement operations for various exchanges like Power Exchanges, Currency Exchanges.
- Bank has adopted the Code of Bank's commitment to Micro and Small Enterprise customers under the Banking Codes & Standards Board of India (BCSBI).
- Bank has established Regional MSME Care Centres at all Local Head Offices across the country to facilitate MSME customers for quick redressal of their grievances at the network level of a circle.
- The Bank was conferred the following National awards by the Government of India (GOI), Ministry of Micro Small and Medium Enterprises for the FY 2007-08:

  (i) First under "National Awards for excellence in lending to Micro Enterprises".

  (ii) Second under "National Awards for Excellence in MSE Lending".

  (iii) The Bank was also presented an award for outstanding performance in the area of finance to SMEs by Dun & Bradstreet.
- To empower the emerging SME entrepreneurs by discussing specific industry problems, best practices etc., the Bank has sponsored 13 episodes in Zee Business channel.

घ.3 सरकारी व्यवसाय इकाई (जीबीयू)

- पेंशन को समय से और उसकी सही राशि जमा करने तथा पेंशनरों को पेंशन की बकाया राशि प्रदान करने के लिए, 14 केन्द्रीकृत पेंशन प्रक्रिया केन्द्र (सीपीपीसी) स्थापित किए गए हैं और 9116 शाखाओं के 27.38 लाख पेंशन खातों को इन 14 केन्द्रीकृत पेंशन प्रक्रिया केन्द्रों में अंतरित किया गया है।
- 143 कारपोरेटों को रेल भाड़ा का ई-भुगतान करने की सुविधा प्रदान की गई है और अधिकाधिक कारपोरेट इस नई सुविधाजनक 24X7 स्वत: भुगतान प्रणाली को अपना रहे हैं।
- करों का भुगतान करने के लिए इंटरनेट बैंकिंग सुविधा को लोकप्रिय बनाया गया है जिसके परिणामस्वरूप बैंक की सीबीडीटी प्राप्तियों का 59.96% और सीबीईसी प्राप्तियों का 60.44% अब इलेक्ट्रानिक माध्यम से प्राप्त होता है।
- आय-कर का इलेक्ट्रानिक रिफण्ड करने के लिए रिफण्ड बैंकर योजना इस समय 6 केन्द्रों, अर्थात दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, बंगलूर और पटना में कार्यरत है और इसे चरणबद्ध ढंग से अन्य केन्द्रों में भी शुरू किया जाएगा।
- 14 राज्यों में राज्य सरकार की प्राप्तियों का ऑनलाइन संग्रहण करने हेतु साइबर ट्रेजरी योजना का कार्यान्वयन किया गया है और शेष राज्यों को इसमें शामिल करने का कार्य जारी है।
- नागरिक सेवा केन्द्रों (सीएससी) के माध्यम से नागरिकों से करों एवं उपभोक्ता बिलों की राशि का संग्रहण करने हेतु उनके ई-गवर्नेंस प्रोजेक्ट के लिए बैंक दिल्ली राज्य सरकार के साथ भागीदारी कर रहा है।

ङ. ग्रामीण व्यवसाय समूह

- ग्रामीण व्यवसाय समूह सभी ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी केन्द्रों में बैंक का कारोबार संभालता है। वर्तमान में यह रु. 2,15,931 करोड़ के जमा संविभाग और रु. 1,20,617 करोड़ के ऋण संविभाग का संचालन कर रहा है, जो 31.03.2009 को बैंक की कुल देशीय जमा एवं ऋण संविभाग का क्रमश: 32% एवं 26% है।

(राशि करोड़ रुपए में)

विवरण	31.03.08 को	31.03.09 को	वृद्धि का %
जमाराशियां	1,65,852	2,15,931	30.19
अग्रिम	1,01,850	1,20,617	18.46

वर्ष के उल्लेखनीय तथ्य / नए प्रयास

- जमा एवं अग्रिम दोनों में वृद्धि की दर सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी शाखाओं की वृद्धि दर की तुलना में बेहतर रही। परिणामस्वरूप, ग्रामीण एवं अर्ध शहरी क्षेत्रों में बैंक के बाजार अंश में मार्च और दिसंबर 2008 के बीच जमाओं में 1.35% और अग्रिमों में 1.27% की वृद्धि हुई ।
- इस समूह में चालू खाता और बचत खाता (कासा) जमाओं का उच्च अनुपात (कुल जमाओं का 54%) इसकी कम लागत वाली जमाओं में 5.23% का योगदान करता है, जो सम्पूर्ण बैंक की कम लागत वाली जमाओं के औसत 6.03% की तुलना में काफी कम है।
- इस व्यवसाय कार्य नीति में बहु स्तरीय व्यवसाय संग्रहण एजेंटों की नियुक्ति करने के साथ साथ कार्यालय स्तर पर प्रक्रिया क्षमता बढ़ाने जैसे उपाय किए गए हैं।
- बाजार स्तर पर व्यवसाय संग्रहण कार्य दल में शाखाओं के अलावा विपणन एवं वसूली अधिकारी (ओएमआर) और व्यवसाय सहयोगी तथा व्यवसाय प्रतिनिधि जैसे वैकल्पिक माध्यम सम्मिलित हैं।
- लगभग 4800 की संख्या में विपणन एवं वसूली अधिकारी अब न केवल उच्च राशि वाले कृषि खण्ड के ऋणों के लिए अपितु सभी खण्डों में सभी प्रकार के जमा, ऋणों और प्रति-विक्रय वाले उत्पादों का व्यवसाय भी जुटा रहे हैं।
- बैंक ने व्यवसाय प्रतिनिधियों/व्यवसाय सहयोगियों के लगभग 18,000 ग्राहक सेवा केंद्र (सीएसपी)/बिक्री केंद्र स्थापित किए हैं। राष्ट्रीय स्तर के कुछ व्यवसाय प्रतिनिधियों/व्यवसाय सहयोगियों में भारतीय डाक विभाग एवं आइटीसी भी हैं। वर्ष के दौरान, भारतीय डाक विभाग के साथ गठजोड़ अब राष्ट्रीय स्तर पर भी लागू हो गया है और इस समय सभी राज्यों में 5,200 से अधिक डाक घर इसमें शामिल हैं।
- अपनी शाखा स्तरीय पहुंच बढ़ाने के लिए, बैंक ने वित्त वर्ष 2009 के दौरान ग्रामीण एवं अर्ध शहरी क्षेत्रों में लगभग 481 नई शाखाएं खोली है।
- प्रक्रिया क्षमता बढ़ाने के लिए, चालू वर्ष के दौरान 158 ग्रामीण केन्द्रीय प्रक्रिया केन्द्र (आरसीपीसी) खोले गए हैं।

ङ.1 कृषि व्यवसाय:

तालिका : 6 कृषि - उल्लेखनीय तथ्य

(राशि करोड़ रुपए में)

विवरण	31.03.08 को	31.03.09 को	वृद्धि का %
जमाराशियां	8,777	12,407	41%
अग्रिम	45,797	54,678	19%

D.3 Government Business Unit (GBU)

- In order to provide timely and accurate credit of Pension as well as its arrears to Pensioners, 14 Centralised Pension Processing Centres (CPPCs) have been established and 27.38 lakh Pension Accounts have been migrated from 9116 branches to the 14 CPPCs.
- Facility for e-payment of Railway Freight has been provided to 143 Corporates and more and more Corporates are adopting this new convenient 24x7 automated payment system.
- Internet Banking facility has been popularized for payment of taxes as a result of which 59.96% of CBDT receipts and 60.44% of CBEC receipts of the Bank are now through e- mode.
- Refund Banker Scheme for electronic refund of Income Tax is now operational at 6 centres viz. Delhi, Mumbai, Kolkata, Chennai, Bangalore and Patna and will be extended to other centres in a phased manner.
- Cyber Treasury for online collection of State Govt. receipts has been implemented in 14 States and remaining States are in the process of being covered.
- Bank is partnering State Government of Delhi for their e-governance project for collection of taxes and utility payments from citizens through Citizen Service Centres (CSCs).

E. RURAL BUSINESS GROUP

Rural Business Group, which deals with the business of the Bank at all rural and semi urban centres, now handles a deposit portfolio of Rs. 2,15,931 crores and a credit portfolio of Rs. 1,20,617 crores, which is 32% and 26% of the Bank's total domestic deposit and credit portfolio respectively as on 31.03.2009.

(Amount in Rs. crores)

Particulars	As on 31.03.2008	As on 31.03.2009	Growth %
Deposits	1,65,852	2,15,931	30.19
Advances	1,01,850	1,20,617	18.46

Highlights/Initiatives during the year

- The rate of growth, both in deposits and advances, has been better than the growth rate of ASCB rural and semi urban branches. As a result, the Bank's market share in rural and semi urban areas improved by 1.35% in deposits and 1.27% in advances between March and December 2008.
- High proportion (54% of total deposits) of Current Account & Savings Account (CASA) deposits in the group contributes to its lower cost of deposits at 5.23%, which is significantly lower than the Whole Bank average of 6.03%.
- The business strategy envisaged setting up of multi pronged sourcing agents coupled with improved back end processing capacity.
- Front end sourcing force comprises, besides branches, alternate channels like Officers Marketing and Recovery (OMR) and Business Facilitators (BFs) and Business Correspondents (BCs).
- OMRs numbering around 4800 now source not only high value Agriculture segment loans but all types of deposits, loans and cross-selling products across all the segments.
- The Bank has appointed about 18,000 Customer Service Point (CSP)/outlets of Business Correspondents/Business Facilitators (BC/BFs). Some of the national level BC/BFs are India Post and ITC. During the year, the alliance with India Post has been scaled up nation wide and now covers more than 5,200 Post Offices across all States.
- To increase its outreach, the Bank has opened about 481 new branches in rural and semi urban areas during FY-09.
- To improve the processing capacity, 158 Rural Central Processing Centres (RCPCs) have been opened during FY-09.

E.1 Agri Business:

Table : 6 Agriculture – Highlights

(Amount in Rs. crores)

Particulars	As on 31.03.2008	As on 31.03.2009	Growth %
Deposits	8,777	12,407	41%
Advances	45,797	54,678	19%